पुरानी /नयी /पिच्छिका लेने/ देने के नियम

आवेदन पत्र / नियमावली

क्रमांक ---------- **दिनाँक** .....

श्रावक का नाम श्रीमान ---------- **उम्र** ---------- **व्यवसाय** ----------

श्राविका का नाम श्रीमति ---------- **उम्र** ----------

पुत्र/पुत्री (संख्या एवं उम्र) ----------

पता ----------**मोबाइल नं.** ----------

क्र.		नियम	श्रीमान जी के नियम	समय सीमा	श्रीमती जी के नियम	समय सीमा
अनिवार्य नियम	1	ब्रह्मचर्य व्रत प्रतिमाह का नियम जीवन पर्यंत के लिए (दिन लिखें)				
	2	देवदर्शन एवं पूजन नियम (प्रतिदिन)				
	3	रात्रि भोजन का त्याग (आजीवन)				
	4	जमीकंद का त्याग (आजीवन)				
	5	तम्बाखू , बीड़ी , पाऊच , गुटखा आदि नशीले पदार्थों का त्याग (आजीवन)				
	6	सप्त व्यसन का त्याग (आजीवन)				
	7	हिंसक खाद्य पदार्थों का त्याग (फास्ट फूड) ,हिंसक श्रृंगार सामग्री एवं चमड़े की वस्तुओं का ,हिंसक व्यापार का त्याग (आजीवन)				
	8	गर्भपात कराने एवं अनुमोदना करने का त्याग (आजीवन)				
सहायक नियम	9	रात्रि जल का नियम				
	10	बाजार की बनी वस्तु का त्याग (आजीवन)				
	11	चाय/कॉफी का त्याग (आजीवन)				
	12	दिन में भोजन कितनी बार करते हैं लिखें				
	13	प्रतिदिन सामायिक करते हैं तो लिखें				
	14	प्रतिदिन स्वाध्याय करते हैं तो लिखें				
	15	अष्टमी, चतुर्दशी को एकासन करते है तो लिखें				
	16	हरी, सब्जियों , फल आदि की सीमा				
	17	णमोकार मंत्र की कितनी मालाएं फेरते हैं लिखें				
	18	पानी छानकर पीने का नियम है तो लिखें				
	19	कुआँ का जल / वर्षा का जल / वोरिंग का जल / नल के जल का नियम लिखें				
	20	श्रावक के अष्ट मूलगुण का नियम है तो लिखे				
	21	श्रावक की प्रतिमाएं यदि है तो लिखें				
	22	वर्ष में कम से कम एक बार नियमों को बढ़ाने के लिए साधु के पास आयेगें				
	23	अन्य नियम जो धारण करना चाहते हैं।				

नियम स्थिति , परिस्थिति , उम्र के अनुसार रहेंगे, साधु से चर्चा करना जरुरी है। चर्चा के बाद नियम में भी संशोधन भी हो सकता है।

सीमाएः

1. **आय के स्रोत हिंसात्मक व अनुचित नहीं हो ।**
2. **अन्य समाज में बच्चों, परिवार जन का विवाह संबंध / संपर्क तो नहीं । (साधु से चर्चा जरुर करें)**
3. **पुलिस केस, दहेज प्रकरण, जेल दिवालियां, सामाजिक प्रतिबंध आदि तो नहीं।**
4. **विधवा विवाह तो नहीं हुआ।**
5. **यह सौभाग्य (पिच्छी लेने/ देने का) प्रथम बार या पहले भी ले चुके हो तो उल्लेख करें।**
6. **ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन समय के लिए) 21 दिन या 30 दिन के बीच में प्रतिमाह (पुरानी पिच्छी लेने के लिए) (उम्र के अनुसार) -**
7. **ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन समय के लिए) 15 दिन के बीच प्रतिमाह (नयी पिच्छी देने के लिए) (उम्र के अनुसार)**

श्रावक/श्राविका हस्ताक्षर